

शुभिक॥

1

त्रिपुण्ड्रपंके मुलाशुपकी मिकलीन सुमापुत दंगरं लिम मत्रलु पुपुक क मिलन
 सुमापुत ममरा एताषा मुला वेद मत्रलु गुरु दम मेने दव मल एर ददे। मममु य
 नुभन एता उत्रे के लिम ममय मद्रव एता नै कील दिय एता उमके मत्रलु सपरा
 मनु निद्रा करे। मपरा मनु किउने ममापु दे यद कदन की उ केरं सुवसुकता नदी
 पंगु दमपंका उउनेदी मे ममरा एयंग किमावर मनु के रे मरा वर पंका पु
 योग करने मे मर पुकर की कभन मे मिद्रु देलती है। ममरा मदन। यमी कर मनु
 दिक मपन। मुत्र पुता मिके की राता के मुर करन। मद्र पुमिक रक १ विथेले एवि
 क विथ मुर कर उनके वम मे करलेना उहदि विथये मे मे केन मा लिमा विथय दे
 कि लिमके मनुपु उन मपरा मनुके मुरा रउकी मुता मे मिद्रुन कर मनु दे॥ ॥
 उममे मर मनुकी विधि मनु की नीम लिपी गं दे एता लिमकी विधि उक न
 दी लिपी दे उन मनु के गुरु मे एप कर मिद्रु करलेना मद्रिये। एता यनु
 मे एता कंदी देवमु लिपा दे वदं उमका नम लिपन मद्रिये लिमके उ
 पर पूयोग करन दे। लिम १ मनुमा मनुके मद्रव एता नी कील दिय है उनका पु
 मरा मपकर दमने उमपा गेपु गुरुका प्रकाम करन उमिउ ममरा है कि
 उनकी लिउ मनुके मत्रलुन करन मे मे मिद्रु देने मपुर है। उमी कर मनु
 के मनुमा मने मद्रियुम मा देगय है। दमरा मनुवृषी मनुमा मने गुरुदी गपन

2

कहे परं। भन्नुमान् क गौरव पट्टा दीपकर यद प्रभु क प्रकाश कर दे भन्नुमैद
 भ उन उत्रिके सेले भन्नुमान् के गुरु के गुणगयन उतम भन्नुते दे कभा कान की
 प्रजन करते है केकि - एगउ प्रमिहूम दग्ग कभा गल एली मात्र के प्रणमि
 प्रमिगभुर कालिकानर एली मे ठी कथन की सुल लैली है। एग यद विषय
 उत्रिक मठ मे ठी निहय देगय है कि - भन्नुमान् की भदरा गयने के प्रक गुरु
 भवस प्रकाशित देना मादिये उमी कर ल दम कभा प्रजन करते है कि - के
 उं भदमय दम उपा किमी प्रकाश के धरिये न करें ॥ ॥
 विम्ववद प्रगत उं विणव भदिता ॥ विमी पावदुवम ॥ ठगवन्म भू ममव
 लेक मिवह्वर वद प्रगत उं विजु मदष्ट मेधतः ॥ ॥ पावती एली वेली कि - द
 दमर भूने प्राना य द ममभु मंभर के भल्लकत। ठगवना भदरेव सुयम
 प्रुत वद उं भावर भन्नु यद एग उत्रे के भगर मे वलन करिये ॥ ॥ भदरेव उव
 म ॥ वद प्रगत उं मवगल मनु उत्रि पवति मवक मभूमणी निमर भुवदिता पि
 य ॥ ॥ मी भदरेव एली वेली कि - द प्रगी पावती एलिते भावर भन्नु एग उत्रे है।
 एलिते कि - ममभु कभन मिहू देलती है। उनके दम उम मे वलन करते है
 उभा क गुरु मिउ मे भव करे ॥ उह देवनी कर मनु ॥ विन मे ठगव उव भदरेव
 इलियन य इप्रवादन य मभ के भम वसुं जद १ भुद ॥ उम के मिहू योग मे ० उव एली ॥

9
47.
9

4

उमेप्रपमिपवे सुव प्रसकी मृष्टि उमप्रप के उपर पके उर उमे मृष्टि मे गिरादि
 २ गुगल रिपवे खण उमी प्रका प्रवेजगीउमि भउ पदके मृष्टि मे गिरादि उम
 भका १० वार देम करना उषा १ या ०८ या १० दिन उमी उरद देम करनेसे उ
 कुल वसु देयगा। यद भउ सिपके उपर मृपना प्रठाव सीपदी उरद न कर
 रता है॥ ॥ मृष्टि॥ पिङ्गल येनमः॥ उमका १००० लपदे॥ इम मृष्टि पल पुगं मुक
 मंमममविउम। सुनमि कान्ति रिक कन मलं या पयति मवसेठ पति॥ ॥
 मृष्टि॥ जिहं चान्द॥ दध्वा पग लिउत्रल उकुलेनममविउम। मवसेठ वैमि
 येम मृष्टि मृष्टि ठ पतिन वषा॥ ०॥ मृष्टि॥ जिधिस मृष्टि पितृ लिङ्गं परिमृष्टि पति॥
 नगं विमिह पति॥ मनेनम मृष्टि यमना प्रक विमं उवारं ५३ः भापे प्रका
 लयेउ। मषवा ललमठि मृष्टि मृष्टि मवसेठ पति॥ मृष्टि मृष्टि॥ ॥ जिनेमठगव
 उी प्र१ वैमनि पगठि पति ये मवसाग मृष्टि पति की है जं गं गं रं गी की व
 लेमः पाङ्क कमरा मवसी मम सुनगगी गं मवसेठ नय १ मृष्टि॥ उम
 मृष्टि के ०५ वार ५० के मृष्टि न भापके उपर दध्वा कर कर लिउ के देवे उपर दी
 वसु देय॥ मृष्टि॥ ॥ जिनेमठगवति मम मृष्टि मवसेठ मृष्टि मृष्टि मृष्टि॥ उम
 मृष्टि १० वार सीठ के मृष्टि मृष्टि उकर के लिसे रिप लय वेद वसु मे देगा॥॥

973

मोगभी सुद्ध लपति सुयेनि सुद्ध जलीनग उत्रिमकेदि देवता सुकाम पा
 उल भउलेक रउ दिन पहर यमी रुद्ध पल विपल भद्रव भगविणठेदे
 मरले ककठलानेके पीरामेय मानव सुत पूतगपी भएनु विननु कि
 उकगधमिउवा कगगठि भाठि यमी भायमी विलनी हें ठेगी गनु
 कीनी नरं कपिला उ सुयेगी करल लवयु सुलु सुद्ध ननद कुवा
 गनुद कुवा एगगर कुकरज पीत उ उ कुव ए ए गरद भूमद गेल पल द
 न द कु सु सुदेगा मोगा सुचमीमी जलीन उती वुवगी भिरिगी कभल वं
 न दंकी सुवव वुद येलग नू वयु मेट हेट मिउ किउल पालग
 वाधग धिती लंया उलंया राटाया राटर निभार पमार मंगर मका
 र केनरु प्रकरदे उ दस उरवग मभनकी सुचे सुद्ध ए द कुमी रेंद उ
 भलेभा नयेग भुरकी उ सुविलानी पी नएदी नउर भवलय प पंग भुर
 की वडा यय नवनव मोगमी भिद्धि के मग प मधम प्रमी सुदि सुपीर
 भनगी किसि उ वार सुमम की ठि उ एरि ठ म हें उ एय एदि निदि निधि
 सुएदि ए उ थिं सु कुमल देय छिड छिड सुद्ध ॥ भउ उ उ म धि नि यंगल ॥ ॥
 भवके सुारके ॥ ॥ एम केले मा कद महुये करिकरि वें न करे वली उ उ र
 भल सु भी उया करिकेदि केदि सुल ॥ उ म भउ म सु उ उ नि यंगल नाल नरं

7

कैलाशमनमेरापुत्रादेउदि॥ ॥ सुवदेवीमनुः ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 गुरुं देवी उरं पार उर वीरमाह वीरतेहें चंकुं कंकुं मदिमवन कर ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 ठेगलेग पर कतीम नकड पर मय पति वामकी पर मय वृद्धा पति वृद्धे के कथणे
 देवीये देवताये कडुनिये गुदगलाये कुडुये पूडये पर पर मंसुही वीरकड
 रालपडी देवतागुदिनाय मंसुली उमान के मंसुते कंकुं एते उर वीर ठे
 गवी कभकप कभमडी पर पर वकी मड कपु कर मड्डु भारे उकी पर वाम
 धरे वलीते उ कभक कभमडी उटमाया पूनगलि केदि केदि सुलु देवी म
 मंसुही वीर रालिधडी मंसुगि मंसुलदेवी वसिलकि मंसुदि मंसुमनु म
 भकिले सुदएगिल मंसुलदेवी मंसुगं पीर मंसुपिला कीटरे एवी पंसुमिरे
 चंडे सुपममदिने दय कुरि मंसुलदेवीय मंसुगुति कडुनि राखे मंसुलि
 वडु गुनीरि मंसु मंसुगु मंसुनीरि मंसु गुनिया नमनी सुव मंसुलि सुं
 पुलवे मंसुमाला मंसुणी वडा मंसु मंसुपलै ठागिन मंसु वलिउते उ
 कभक कभमडी केदिम सुल ॥ ॥ सुवदेवीमनुः ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 ॐ प्रवमममले अंपिराखे उनीक नराखे उनीमडरखे मंसुकुलि
 कुराखे सुपे मंसुकराखे मंसु उगीकराखे उगीपीकिराखे न
 राखे उमीरी सुनगुगीकी सुन वडा मंसुकराखे मंसु उमडमदेवपावडी

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

79

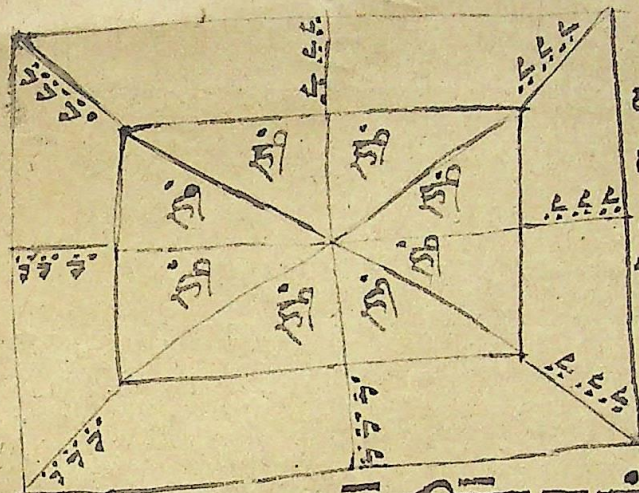
CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

649

मे मले कंदर मणि मलं उदभमले मणि मुपा उधर ॥ ऐनगर के मनु ॥
 लेना भलेना योगिनि रात्रे ऐना सुवह भपि मिलि एम कवन कवन रेम कवन दि
 रि सुदि सुकल कलवारं हूँ हूँ सुवे राम हूँ हूँ छलानी सुवे दभर पाम कवन
 रेवी की मजि मरी ठजि कर मेदनी रंभरे वाम ॥ मृदु ॥ ॥ मंभ मनि मर ठे
 भ मृगरी कद मललि रंभ मृगरी मारि एए वलु के वर मीन दिं रात्रे मे
 भ मृवग उतर रात्रे के डला मनव मकि रात्रे के डाल मारि विमृ रात्रि के
 रउ विमेष ठवर ठवर मिठिल ठवरग मल उतरा पष योगिनी मल पाउल
 मे वाम की मल मभम मृक पायक मालुनी के मीर लागु रंभर भद रेव गेरा
 पावती की सुदरं ऐनेना रंभ मरी धि मृ भु पाकि डूके देना क डल का वल
 न रंभे ॥ ॥ भु ऐना गण के मृदु कर के ॥ ॥ लेदे के के टिला वल के कियर।
 उदिपा नये वरं वर। उते नदि पद नदि एक ड वर। एक पंभ मने मृ रात्रे
 मी ॥ ॥ भु रात्रे उी रात्रे मने उ मृ रात्रे पाउले वाम की नगरात्रे मे
 यम के पाव मर धेरा की ठजि नगर मंद वारिकर पिल ९ मंकिनी मंकिनी
 मनु मेउर के मंकिनी रात्रे मन के पदर उदि उपर ९ मर रेवी मेउर कय सु
 न एंठा ९ एंठा ९ गेराय की सुदरं नेना मभारी की सुदरं उैती म के टि रेव उ
 रा की सुदरं दभमान की सुदरं कामी के डवल ठेरे की सुदरं मृपने गुमदि
 कलगी भाद रेव उ पल मठ उप ९ कामी कदि कदि कामी कर पाप उ
 पल।

दि स्यउके कहु स्याउकाट लैभन भद केठगये॥ ॥ भद श्रीगणेश के लैना सु
 गेलके॥ ॥ एकात्र पराकाट के नैन पानी सगरीर उ लैना के नरदे उरुति
 एउ उरुति॥ ॥ उं प्रव पस्मि उरुति सगरीर सन पउल सुभुभु पार सगरी
 रापए विष्णुना गदउ भेवनर भागलन उरुति वनर दिगसे उरुति ललवंग
 भेपगी लैभन उल सुवदन उरुति सगरीर सुवन दाम पदिर लदंगा सगी लनदुग
 सिलिया सगरीर गीन भेट दुगं उरुति गीन मङ्गल गीर केउपाल पदिले गरीर वा
 गंवार काला उलक लिला सुंयि नक कन कपभद सैली का० सुवकंभकं
 उ राद दख गेद सुदुगी नाप सुकपुकी सुकुल नाठी पटी नीसे लैनि सगरीर कउ
 ठली पीठि कुरि सव संप पदुगी प्री पावउ उपा सुदुगी सभ गउ भंभ दंभ
 गरीर उउ लै नदी कउ सुतुगी के०गी कौल पितुदी पडिलिय पूल मर विउ
 राउ सुकभने एउ वद नरभिनदकि सुन करुन लालु हंस पितर गद
 काहु लैद दुप भेन भाग पाट पटवसन गेग लैग का० सीसन गी० भि
 टैना सपक नवनव सगरीर भिदु के मगप दु०नि योगिनि सुगलि कुउ
 सुगिपरी सुगलि सुगलि गेगप वन भाग भगदरे विलाउकाली उरुति सुउ
 की दंभ सुभुभु सुभुभु॥ ॥ भद श्रीगणेश के॥ ॥ उं नमो सुलैपाल
 की सुदंभ लै सुगरीर उं भद सवकी सुदंभ सुभुभु सुभुभु॥ ॥ उं नमो सुलैपाल

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

20

॥ भन् पकि ९ के ऊके छट छटिनि मरिगली कदं एउ ^{१८९} ~~उ~~ उमभू पार छटिनि कदं मे विम्वैउ
 जम की काली विम्वैउ उपमभा कीकर भन् भन् ^{१९०} ~~मे~~ मेदिल उग मेदिल उग गए सुएपाल
 उउर उर दे गए सुएपाल फककर पानी ठगु गे उउर ^{१९१} ~~मे~~ मे पावाकाल उ गेदिया मेला उए
 ल उके मे सुणेयी रंभुर भदरव के रंभुरं येदी पनी उउरि एउ ॥ ॥ रंभुर ^{१९२} ~~मे~~ मे भन् ॥
 पानी १ इर पक के थिय के रंभुर कानी कर मे उरं उउर ॥ ॥ रंभुर भूः यनमानः यनिः
 भय भय ^{१९३} ~~मे~~ मे उलमी ^{१९४} ~~मे~~ मे उठे वल कथि ^{१९५} ~~मे~~ मे पय भय ^{१९६} ~~मे~~ मे वधु ^{१९७} ~~मे~~ मे सिधे एगाम ॥ इ
 उधि ठकि उयेन वाउर पिस भदरल भन् भूः मेधि उयेन भमि गभूः ^{१९८} ~~मे~~ मे भूः भूः भूः भूः
 कर ^{१९९} ~~मे~~ मे पमनिं सव कयानलं सुदर परिपा ^{२००} ~~मे~~ मे उं भूः सुव के रंभुरा ॥ ॥ रंभुरा ^{२०१} ~~मे~~ मे रंभुरा
 भन् ॥ ॥ पकि के ऊके रंभुरा पे रंभुरा ^{२०२} ~~मे~~ मे उंभुरा ॥ ॥ रंभुरा ^{२०३} ~~मे~~ मे रंभुरा ^{२०४} ~~मे~~ मे रंभुरा ^{२०५} ~~मे~~ मे
 पाल विकराल रंभुरा मेलेद लेदर रंभुरा ^{२०६} ~~मे~~ मे वदु के निदय वदु ^{२०७} ~~मे~~ मे पन रंभुरा ^{२०८} ~~मे~~ मे पिय
 उे भदरव के सुन नगरा जापरा ^{२०९} ~~मे~~ मे उेदय उलनी भुंभुरि मे रंभुरा ॥ ॥ भन् भूः
 रंभुरा के भन् ॥ ॥ भाला काण्ड के वर ९० उर ऊके मिरे वर ^{२१०} ~~मे~~ मे ऊके ॥ निभ नदिं
 रंभुरा ^{२११} ~~मे~~ मे भय गरणदि निभनदि कदल उर ऊके निवरी ^{२१२} ~~मे~~ मे रुनि रुभुन वर ^{२१३} ~~मे~~ मे
 भनदि कदल विन पदु माभम ॥ ॥ भन् ऊके रंभुरा के ॥ ॥ रंभुरा ^{२१४} ~~मे~~ मे भन् भूः पवउ प
 नेन रंभुरा मेने की रंभी मेने की भुंभुरी ऊके सुक वाद ^{२१५} ~~मे~~ मे रिलगी ठाली नलि
 कदि ऊदि भन् भूः पगी वदयो नेन रंभुरा की सुदरं ^{२१६} ~~मे~~ मे रंभुरा ^{२१७} ~~मे~~ मे रंभुरा
 वर उ कीम पके मगी ऊके न गे ॥ ॥ कल उल भन् ॥ पकि के रंभुरा मे रंभुरा

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

23

बालके पानी पि सुउर ॥ ॥ सुउर ॥ ॥ विषके पापरि विषके भानि विषे करिय ठानि उएनि
 एक भएउ मरु करि सु सुभक सुभ कस के सु मरु निनउ के सुभ करि भिक्षु गुडकी
 पावसर ॥ ॥ भन्नु रिभाके पानी पगे रि पि छउ ॥ ॥ उं कक गके नभु के न सुन सुगनि
 उ सुभक के दधन देय रज्जु पीडा सुता एवउ एविदि दधन उ तावउ पूकमं बुद्धनह
 पूपेति बुद्धनमः मरुयनमः मगभुयनमः गल्लमयनमः ॥ ॥ ऊजुर कए उं गण
 के भन्नु ॥ ॥ ऊभुर मक पर के भाली कंक पर छरि गण रेवां निकसे नीक देउ ॥ कगी ऊ
 जी विविलगी ऐन ऊता कल्ले छलाना काए ऊजुर वर पयल्लाय ॥ ॥ सुउर ॥ ॥
 उं ऊल ऊभुरा पानी भविके मय सिमदा मउ ॥ ॥ भन्नु मीगी भविके ॥ ॥ मीगी
 भेरी भवउ मी भेरी भवउ सुन मी लैषा लधना ता पोपरा गेरा थो नददि भदले
 व पकि ऊकदि विष निविष देउ एदि ॥ ॥ भन्नु कए उं गुमी के ॥ ॥ भेने के भिक्षु
 उं प लाग मरुन सुव भान के भु सुलिम गुमी लाग भिन लिख पद वर सु के कन
 पद वर सु भन्नु उददि एगवै नेता येगिनि मी पावती एग एग उपर वैस देउ उ ॥
 ॥ ॥ भन्नु री सुगी के ॥ ॥ भन्नु की कगी गाउ गाउ की मभारी प्रकी उं को गेवर वि
 की विमुउ दी की उं कउ एउि गेरा वर सु गद एउि क कगी कपी सुगी क कुभा
 एगी काल पवरी कक ऊं ऊं ऊं करि उउर विकी दधन दधन पेर पेर उ कसभार
 लील कक गरभो भदले वके सुदरे गेरा पावती के सुदरे सुनी उ एदरी मरु

25

धण्डकामे मृत्तु सुध विधमि मरीचि नदि विधमि उमल वल्लगले गण्ड
 कुल निविम देउ ॥ ॥ डगर नुन गण्डे के मनु ॥ ॥ एउ उपर कग गग रंजनमः सिध
 य सिधकी सुष्टु पुनः कग गग गीठे पनिनि सुपुं पीठे मवा ठग विध नि एठरुं सु
 पने गीठे रंजनमः सिध वि सुष्टु ॥ ॥ लदरि एग व के मनु ॥ ॥ कवमम की धरी डंक
 कय की कग गग नुनेगी मकिदि कग सुवउ कग मरु डीठे पनि सुपुं पीठे
 मवा ठग विध नि एव न सुपने उडीठे रंजनमः सिध वि सुष्टु ॥ ॥ गिहू उरु ड उपर
 रंमुर वदन ठय ठं वदिधं नैना परिदय धं नन के परि डंक उठि ठं कि ठं एण ॥ ॥
 रंमुर सुठर डंक डंक डंक डीठे धं एण्ड लणिक डं डं डंक मरु सुवे नैना ये गिनि डंक
 उठि विदम डं उमउ मम सु मग धं डी कगीर वर ठं एनी व ठर वर सुम वि रद दि एग
 वे नैना ये गिनी पावडी एण परम डं मउरुं डंक ॥ ॥ मरु सु ॥ ॥ वेद परे मग उ मरु
 कलं डंक भरे उमे मगे मउगठ मरु ल पा एण्ड गध एक क कल मदे मम मनु य
 डं सुप कद कट उे मन मद सुठकी केषु कि नगी सुन क कट उे दय मं जं सुठ
 कग मरु कग कन विमन धग किळी विमन दि सुप कद कट ठ सुन कद कट उे
 पकि डंक पे कि ठं ॥ ॥ मरु पारु मरु मरु ॥ ॥ उभा नमीना मल म भातिना ॥
 एक मिल ५ दिन क र ए क र ए ५००० करक सुमल करे डल ले वन मरु ल ममे
 लीक उल कसुगी मरु गल मसंग मवर उन मरु के वर ठर लेके सुठ करल उन की ५
 प ममे लीक उल म रन ५ दिन उक सुमल करन उमके वर ठर मरु वरु मिही क

वेशकृतः श्रीकृष्णदेवदेवता वसुदेवविनिर्देशः॥ प्रवृत्तः॥ कंठमयायनमः॥ फीमि
 निभाद। कुंभियायेवे वल कभदेवेदेवता प्रसूयत॥ प्रवृत्तमा॥ एपादुंगकुविप्रवृ
 हंभीनपुलंगदतुंगगगमा कान्धुलैरकुमभिकुसपंपुधसुधमैरुण्डनभामि॥ उकभदेव
 यमवएनप्रियायमवमभेदनयडुलडुलखडुलखडुलमवएनमुहुरयंममवसुजु
 कुदभाद॥ उमभनुके ५००० एपाकेमिहुकानासादिधै कनेकेलूलडुलएनसमलीक
 उडुलगाकेरुमैमदेभके। वडुकेनिमिउकुभारकेठैएनकायुउपर लिख्यभनुसे०३॥
 वारसन्तके मुठिभनुउ करके उमकुभारके उलकलगये। एनलिमकेरुमकर
 नादे उमका पुन करके वडुकेममभुय कौ उे प्रवसुवमदेग॥ ॥ मरुप्रथम॥
 रिउरिंम्रीभममरुनादनयदनयपउयपउयभगयभगयदंरुण सुद॥ उमभनुके ५
 योग कनेकी यदविदिदै किगईकि
 मभयमरुका पुनकरके काधुकीमा
 लाके उपर ०००० एपाके उमप्रका
 ७५३ निनउक कनेम प्रवसुमरुकी
 भदुदेगी॥ उमयनुके ठैएपइके उपर करि
 यू एनदगुलमे लिपकर लिमकाभग
 कनदे उमका नभलियाएनएकनु
 मंभुउ करके उे मरुका नमदेग॥ ॥

॥ यनु॥

